हिमाचल प्रदेश विधान सभा

विधान सभा की बैठक बुधवार, दिनांक 10 जनवरी, 2018 को सामयिक अध्यक्ष, श्री रमेश चंद ध्वाला की अध्यक्षता में विधान सभा भवन तपोवन, धर्मशाला-176215 में 11.00 बजे पूर्वाह्न आरम्भ हुई।

10/01/2018/1100/ms/dc/1

अध्यक्ष का चुनाव

सामयिक अध्यक्षः अब अध्यक्ष का चुनाव होगा।

संविधान के अनुच्छेद 178 के अंतर्गत अब सभा के अध्यक्ष पद के लिए चुनाव होगा। इस पद के लिए 4 नामांकन पत्र प्राप्त हुए हैं। चारों ही नामांकन पत्र डॉ0 राजीव बिन्दल, सदस्य के पक्ष में हैं। प्रथम नामांकन पत्र सदन के नेता श्री जय राम ठाकुर की ओर से है जिसका समर्थन श्री सुरेश भारद्वाज द्वारा किया गया है। दूसरा नामांकन पत्र भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस विधायक दल के नेता श्री मुकेश अग्निहोत्री द्वारा किया गया है तथा जिसका समर्थन श्री वीरभद्र सिंह द्वारा किया गया है। तीसरा नामांकन पत्र श्री महेन्द्र सिंह द्वारा दिया गया है जिसका समर्थन श्री किशन कपूर द्वारा किया गया है। चौथा नामांकन पत्र श्री विपिन सिंह परमार द्वारा दिया गया है जिसका समर्थन डॉ0 राजीव सैजल द्वारा किया गया है।

अब मैं एक-एक करके सभी प्रस्तावों को सदन में प्रस्तुत करने के लिए संबंधित माननीय सदस्यों से निवेदन करूंगा।

सर्वप्रथम श्री जय राम ठाकुर, माननीय मुख्य मंत्री अपना प्रस्ताव प्रस्तुत करेंगे।

Chief Minister: Mr. Speaker, Sir, with your permission I proposed "That Dr. Rajeev Bindal , a Member of this House be chosen as the Speaker of this House."

सामयिक अध्यक्षः प्रस्ताव प्रस्तुत हुआ "That Dr. Rajeev Bindal , a Member of this House be chosen as the Speaker of this House."

अब श्री सुरेश भारद्वाज, माननीय शिक्षा मंत्री प्रस्ताव का समर्थन करेंगे।

श्री सुरेश भारद्वाज, शिक्षा मंत्रीः अध्यक्ष महोदय, जो प्रस्ताव माननीय मुख्य मंत्री जी ने रखा है, उसका मैं समर्थन करता हूं।

10/01/2018/1100/ms/dc/2

सामयिक अध्यक्षः अब श्री मुकेश अग्निहोत्री, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस विधायक दल के नेता अपना प्रस्ताव प्रस्तुत करेंगे।

Shri Mukesh Agnihotri: Respected Speaker, Sir, with your permission I move "That Dr. Rajeev Bindal , a Member of this House be chosen as the Speaker of this House." Thank you.

सामयिक अध्यक्षः प्रस्ताव प्रस्तुत हुआ "That Dr. Rajeev Bindal , a Member of this House be chosen as the Speaker of this House."

अब श्री वीरभद्र सिंह जी प्रस्ताव का समर्थन करेंगे।

श्री वीरभद्र सिंहः अध्यक्ष महोदय, जो प्रस्ताव श्री मुकेश अग्निहोत्री जी ने रखा है उसका मैं समर्थन करता हूं।

सामयिक अध्यक्षः अब श्री महेन्द्र सिंह, सिंचाई एवं जन स्वास्थ्य मंत्री अपना प्रस्ताव प्रस्तुत करेंगे।

Irrigation and Public Health Minister: Speaker, Sir, with your permission, I move "That Dr. Rajeev Bindal , a Member of this House be chosen as the Speaker of this House." Thank you.

सामयिक अध्यक्षः प्रस्ताव प्रस्तुत हुआ "That Dr. Rajeev Bindal , a Member of this House be chosen as the Speaker of this House."

अब श्री किशन कपूर, खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले मंत्री प्रस्ताव का समर्थन करेंगे।

श्री किशन कपूर, खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले मंत्रीः अध्यक्ष महोदय, जो प्रस्ताव सिंचाई एवं जन-स्वास्थ्य मंत्री जी ने रखा है उसका मैं समर्थन करता हूं।

10/01/2018/1100/ms/dc/3

सामयिक अध्यक्षः अब श्री विपिन सिंह परमार, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री अपना प्रस्ताव प्रस्तुत करेंगे।

श्री विपिन सिंह परमार, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रीः अध्यक्ष महोदय, मैं आपकी अनुमति से प्रस्ताव प्रस्तुत करता हूं "That Dr. Rajeev Bindal, a Member of this House be chosen as the Speaker of this House."

सामयिक अध्यक्षः प्रस्ताव प्रस्तुत हुआ "That Dr. Rajeev Bindal , a Member of this House be chosen as the Speaker of this House."

अब डॉ0 राजीव सैजल, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री प्रस्ताव का समर्थन करेंगे।

डॉ0 राजीव सैजल, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रीः अध्यक्ष महोदय, जो प्रस्ताव स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जी ने रखा है, उसका मैं समर्थन करता हूं।

सामयिक अध्यक्षः अब मैं एक-एक करके चारों प्रस्तावों को मतदान हेतु सभा में प्रस्तुत करूंगा। सर्वप्रथम मैं सदन के नेता श्री जय राम ठाकुर द्वारा रखे गए प्रस्ताव को मतदान हेतु रखता हूं।

तो प्रश्न यह है "That Dr. Rajeev Bindal , a Member of this House be chosen as the Speaker of this House."

प्रस्ताव स्वीकार

चूंकि अन्य तीन प्रस्ताव भी डॉ0 राजीव बिन्दल को अध्यक्ष पद पर चुने जाने से संबंधित हैं और उनके नाम का प्रथम प्रस्ताव सभा द्वारा पारित हो चुका है, अतः अब अन्य तीनों प्रस्तावों को सभा में नियमानुसार मतदान हेतु रखने की आवश्यकता नहीं है। **मैं डॉ0 राजीव बिन्दल, सदस्य, विधान सभा को सर्वसम्मति से अध्यक्ष पद के लिए चुने जाने की घोषणा करता हूं।**

(डॉ0 राजीव बिन्दल सर्वसम्मति से अध्यक्ष पद के लिए निर्वाचित हुए)

10/01/2018/1100/ms/dc/4

डॉ0 राजीव बिन्दल जी, इस सदन में पांचवीं बार चुनकर आए हैं। सर्वप्रथम वर्ष 2000 के उप-चुनाव में सोलन निर्वाचन क्षेत्र से ये निर्वाचित हुए तथा वर्ष 2003 और 2007 में इसी चुनाव क्षेत्र से पुनः निर्वाचित हुए।

जारी श्री जे0के0 द्वारा-----

11.01.2018/1105/जेके/डीसी/1

सामायिक अध्यक्षः---------**जारी**---------

डॉ0 राजीव बिन्दल वर्ष 2012 व 2017 में नाहन निर्वाचन क्षेत्र से निर्वाचित हुए। जनवरी 2008 से अगस्त 2012 तक हिमाचल प्रदेश सरकार में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री के पद पर आसीन रहे। वर्ष 1996 से 2000 तक अध्यक्ष नगर पालिका समिति रहे। डॉ0 राजीव बिन्दल एक कुशल एवं ईमानदार राजनीतिज्ञ हैं। मुझे पूर्ण आशा है कि वह इस सदन के द्वारा स्थापित परम्पराओं व नियमों के अनुरूप सदन की कार्यवाही चलाएंगे। मैं उन्हें सर्वसम्मति से अध्यक्ष चुने जाने पर अपनी तथा सदन की ओर से हार्दिक शुभ कामनाएं देता हूं।

मैं, सदन के नेता, संसदीय कार्य मंत्री व कांग्रेस विधायक दल के नेता से निवेदन करता हूं कि वे निर्वाचित अध्यक्ष, डॉ0 राजीव बिन्दल जी को अध्यक्ष के आसन पर विराजमान करवाएं।

अध्यक्ष द्वारा आसन ग्रहण करने के उपरान्त सदन के नेता व कांग्रेस विधायक दल के नेता तथा अन्य सदस्य अध्यक्ष को बधाई देने के लिए अपनी बात रख सकते हैं।

(सदन के नेता, श्री जय राम ठाकुर, संसदीय कार्य मंत्री, श्री सुरेश भारद्वाज और कांग्रेस विधायक दल के नेता श्री मुकेश अग्निहोत्री ने नव-निर्वाचित अध्यक्ष डॉ0 राजीव बिन्दल को अध्यक्षीय कुर्सी तक पहुंचाकर पदासीन किया।)

(डॉ0 राजीव बिन्दल, माननीय अध्यक्ष पदासीन हुए)

11.01.2018/1105/जेके/डीसी/2

मुख्य मंत्रीः माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं आपको इस गरिमामय पद पर सुशोभित होने पर पूरे सदन की ओर से और अपनी ओर से हार्दिक बधाई देता हूं, शुभ- कामनाएं देता हूं।

अध्यक्ष महोदय, वर्ष 2000 से लेकर लगभग 18 वर्ष से ज्यादा समय हमने लगातार इस माननीय सदन में एक साथी के रूप में साथ गुज़ारा है। मुझे इस बात की खुशी है कि आज पूरे सदन में एक ही प्रस्ताव आपके नाम का यहां प्रस्तुत किया और सर्वसम्मति से अध्यक्ष के पद पर आप सुशोभित हुए और इसके लिए मैं विपक्ष के नेता आदरणीय श्री मुकेश अग्निहोत्री जी और विधान सभा में सबसे वरिष्ठ नेता व पूर्व मुख्य मंत्री आदरणीय श्री वीरभद्र सिंह जी का धन्यवाद करता हूं तथा उनके दल का भी धन्यवाद करता हूं।

श्री एस0एस0 द्वारा जारी----

10.01.2018/1110/SS-HK/1

मुख्य मंत्री क्रमागतः

अध्यक्ष महोदय, 12 जनवरी, 1955 को आपका जन्म हुआ और बचपन से आप राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सानिध्य में काम करते रहे। सामाजिक क्षेत्र में काम करना, आपकी रुचि का विषय रहा। उसके साथ-साथ मुझे इस बात की भी प्रसन्नता है कि हमारे देश के पूर्व प्रधान मंत्री, आदरणीय अटल बिहारी वाजपेयी जी को आपने अपना आदर्श माना। आपने विधान सभा के अंदर कई बार इस बात का ज़िक्र किया। अगर आदर्श के रूप में राजनीतिक क्षेत्र में काम करते हुए आपने किसी नेतृत्व को माना तो हमारे अटल बिहारी वाजपेयी जी को आप हमेशा याद करते रहते थे। उसके साथ-साथ, अध्यक्ष महोदय, मुझे इस बात की भी खुशी है कि विचार के लिए आपका जीवन हमेशा समर्पित रहा, समाज के लिए आपका जीवन हमेशा समर्पित रहा। दायित्व चाहे छोटा मिला, बड़ा मिला, संगठन में मिला या सरकार में मिला, उस दायित्व के निर्वहन में आपने आज तक कोई कमी या कसर नहीं छोड़ी। मुझे बहुत अच्छी तरह से याद है कि जब हम विद्यार्थी परिषद् में काम करते थे और हम भी अपना घर-बार छोड़ कर वर्षों तक काम करते रहे, सोलन में आपके निवास पर हमारा आना-जाना रहता था, पहला परिचय हमारा वहीं पर हुआ था। वहां पर हमारे संगठन- विद्यार्थी परिषद् का कार्यालय हुआ करता था। एक-दो कमरे आपने विद्यार्थी परिषद् को काम करने की दृष्टि से दिए हुए थे और वहां आपसे मिलना होता था। आपका क्लीनिक में जाना, चाहे वह मरीज का इलाज करने की बात है, स्वभाव से बीमार आदमी कितना भी परेशानी के दौर में से गुजर रहा हो लेकिन उसके बावजूद भी आप उनको बहुत प्यार से अच्छी तरह से समझाते थे। उनके इलाज के लिए आप व्यक्तिगत रुचि के साथ उनके प्रति सेवा का भाव हमेशा प्रदर्शित करते थे इसलिए डॉक्टर के नाते उस क्षेत्र में आपका एक बहुत बड़ा नाम था। उसके साथ-साथ, सामाजिक क्षेत्र में चाहे वह बस्तियों में काम करने की बात है या गरीब वर्ग के उत्थान करने की बात है, उसमें आपने रुचि के साथ एक नहीं अनेकों काम किये हैं। आपने सोलन नगर परिषद् के अध्यक्ष के नाते भी काम किया है। 2000 में आपका पहली बार हिमाचल प्रदेश विधान सभा में उप-चुनाव के माध्यम से

आना हुआ था और मुझे अच्छी तरह से याद है कि 1998 में हमारी सरकार बनी और

10.01.2018/1110/SS-HK/2

सोलन विधान सभा क्षेत्र का चुनाव बहुत कम अन्तर से, मेरे ख्याल में शायद एक वोट के अन्तर से हार-जीत का फैसला हुआ था। मामला कोर्ट में गया और कोर्ट के माध्यम से फिर उसके बाद वहां उप-चुनाव की नौबत आई और चुनाव हुआ। आप उस उप-चुनाव में भारतीय जनता पार्टी की ओर से प्रत्याशी थे और मैं भी उस वक्त नया-नया विधायक था लेकिन पार्टी का आदेश था कि आपने उस क्षेत्र में काम करने के लिए जाना है, उप-चुनाव में हमारी डयूटी वहां लगी। दूर-दराज दंघील का इलाका था। मुझे इलाका हमेशा पार्टी की ओर से ऐसा दिया जाता था जहां पैदल चलना होता था। तो वहां उस इलाके में भी हमने आपके लिए काम किया। मुझे इस बात की खुशी है कि जब हम गांव में घर-घर जाते थे, आपको राजनीतिक दृष्टि से उस वक्त लोग कम जानते थे लेकिन डॉक्टर के नाते आपका एक परिचय था। गांव के दूर-दराज इलाके में भी आपका नाम था, एक पहचान थी और उस आदर के भाव के साथ आपको वहां के लोगों ने सहयोग दिया और आप 2000 के उप-चुनाव में पहली बार जीत कर विधान सभा आए। मुझे इस बात की भी खुशी है कि उसके बाद लगातार तीन बार आपने सोलन विधान सभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया। आप हिमाचल प्रदेश सरकार में मंत्री रहे और आपको स्वास्थ्य का मंत्रालय दिया गया। उस मंत्रालय में भी आपने बहुत बेहतरीन काम किया है, आज भी उस योगदान को हम स्मरण करते हैं। उसके साथ-साथ, अध्यक्ष महोदय, फिर डिलिमिटेशन का दौर आया ।

जारी श्रीमती के0एस0

10.01.2018/1115/केएस/एचके/1

माननीय मुख्य मंत्री ... जारी...

डीलिमिटेशन के उस दौर में सोलन विधान सभा क्षेत्र अनुसूचित जाति वर्ग के लिए

आरक्षित हो गया और उसके बाद यह विषय चला कि चुनाव लड़ना चाहिए या नहीं लड़ना चाहिए लेकिन पार्टी ने निर्णय लिया कि सोलन से हटकर, जिला छोड़कर दूसरे जिला में जाकर, सिरमौर जिला में आप नाहन विधान सभा क्षेत्र से पार्टी के प्रत्याशी के रूप में चुनाव लड़ें और बहुत शानदार जीत के साथ आप फिर से विधान सभा में पहुंचे। अपने क्षेत्र से दूसरे चुनाव क्षेत्र में जाना, वहां से चुनाव लड़ना और वहां से चुनाव जीतकर आना यह अपने आप में कठिन काम होता है लेकिन अपने जिला से दूसरे जिला में जाकर चुनाव लड़ना और वहां से शानदार जीत हासिल करना और भी कठिन है। अमूमन हिमाचल प्रदेश के राजनीतिक परिदृश्य में अगर हम देखें बहुत कम लोग है जो अपने विधान सभा क्षेत्र से दूसरे विधान सभा क्षेत्र में जाकर चुनाव लड़ते हैं। आपने वह चुनाव शानदार ढंग से जीता। उसके बाद पार्टी के अनेक दायित्वों का आपने निर्वहन किया है। आप पार्टी के उपाध्यक्ष रहे, पार्टी के महामंत्री रहे और हम अभी लोक सभा का काम इकट्ठा हो कर देखते थे। आप शिमला पार्लियामैंट का काम देखते थे, मैं मण्डी का देखता था। एक पालक के नाते संगठन की जो हमारी योजनाएं हैं, उनके मुताबिक हम मिलकर काम कर रहे थे। चाहे कोर ग्रुप हो या कोई अन्य दायित्व हो, मैंने आपके स्वभाव में हमेशा एक चीज़ देखी है कि काम छोटा है या बड़ा , जहां दिया गया है, जिस रूप में दिया गया है, उस काम को अंजाम देना, उस काम को एक जनून के साथ पूरा करना आपके स्वभाव की एक बहुत बड़ी पूंजी है। इसके लिए मैं आपको बधाई देता हूं।

अध्यक्ष महोदय, मुझे इस बात की खुशी है कि हिमाचल प्रदेश एक शान्तिप्रिय प्रदेश है और यह देवभूमि के नाम से देश और दुनिया में जाना जाता है। उस दृष्टि से इस सदन की गरिमा पूरी दुनिया में मानी जाती है ।हिमाचल प्रदेश विधान सभा का पूरे देश में अपना एक स्थान है। मुझे इस बात की बहुत खुशी है कि अब की बार बहुत बड़ी तादाद में हमारे नौजवान जो जोश और ज़नून के साथ चुनकर आए हैं, उनका भी योगदान इस विधान सभा में मिलेगा और मुझे लगता है कि यह पिछली जो हमारी चर्चाएं इस माननीय

सदन में

10.01.2018/1115/केएस/एचके/2

होती थी, अब की बार और बेहतर ढंग से इन सारी चीजों को लेकर आगे देखने वाला एक अवसर हमें मिलेगा। इसके साथ-साथ हमारे पास बहुत ही अनुभवी लोग भी हैं। कोई दस बार, कोई सात बार और कोई छः -छः बार जीते हुए विधायक और मंत्री , पक्ष और विपक्ष में हैं। मुझे लगता है कि उनका भी अनुभव की दृष्टि से हमें मार्गदर्शन मिलेगा।

अध्यक्ष महोदय, मैं आपको बहुत सारी शुभ-कामनाएं देता हूं और विश्वास दिलाता हूं कि यह माननीय सदन आपको पूरी कार्यवाही में सहयोग देगा । मैं विपक्ष का भी धन्यवाद करता हूं कि उन्होंनें आपके आज के इस चुनाव में सर्वसम्मति बनाने के लिए अपना योगदान दिया, आपके नाम का प्रस्ताव किया और आने वाले समय में भी मुझे पूरा विश्वास है कि इस माननीय सदन को चलाने में विपक्ष का रचनात्मक सहयोग हमें हमेशा मिलता रहेगा और वरिष्ठ नेताओं का मार्गदर्शन मिलता रहेगा। मैं एक बार फिर से इस सदन के सभी साथियों की ओर से आपको आगे के इस दायित्व के निर्वहन के लिए हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं, बधाई देता हूं और उम्मीद करता हूं कि जो आज आपको यह नया दायित्व सौंपा गया है, आप बखूबी इसका निर्वहन करेंगें । हालांकि हम इस बात की कमी महसूस कर रहे हैं कि एक लड़ने वाला, जुझारू नेता जो यहां से बोलता था लेकिन अब क्योंकि अध्यक्ष पद की अपनी मर्यादाएं है, आपको उनका पालन करना होगा लेकिन यहां पर हम आपकी कमी जरूर महसूस करेंगें।

अध्यक्ष महोदय, जो आपको दायित्व दिया गया है, इसके निर्वहन के लिए आपको फिर से बधाई, हार्दिक शुभकामनाएं, नमस्कार।

श्रीमती अ0व0 द्वारा जारी----

10.1.2018/1120/av/yk/1

श्री मुकेश अग्निहोत्री : आदरणीय अध्यक्ष महोदय, मैं आज आपके इस पद पर सुशोभित होने और सर्वसम्मति से इस पद पर बैठने के लिए अपने विधायक दल की तरफ से आपको बधाई देता हूं। जैसा कि सदन के नेता ने कहा कि इनको निश्चित तौर पर आपकी यहां नीचे जरुरत महसूस होती रही होगी लेकिन हम बहुत खुश हैं। आप ऐसी जगह बैठें हैं जहां पूरे सदन से न्याय कर सकेंगे। यहां जैसा माननीय मुख्य मंत्री जी ने कहा और आपको याद दिलाई कि आप भारतीय जनता पार्टी के सदस्य थे, प्रचारक थे, आपने लोक सभा की सीटों का निर्वहन किया। मेरा आपसे बस यही आग्रह है कि अब आप किसी पार्टी विशेष के नहीं रहे हैं, अब आप हम सबके हैं। इसलिए अब आप मुख्य मंत्री जी की इन बातों में न आ जाना। 'स्पीकर' जो इस हाउस का कस्टोडियन होता है उसका सबसे अधिक आशीर्वाद विपक्ष पर रहता है और विपक्ष को अपनी बात रखने का पूरा मौका मिलना चाहिए, जिसकी हम उम्मीद भी करते हैं। आप 5 बार विधायक रहे हैं और इस हाउस के सबसे अध्ययनशील व्यक्ति भी रहे हैं जो कि किसी भी मुद्दा विशेष पर घर से मेहनत करके आते हैं। इसलिए आपसे और भी ज्यादा उम्मीदें बढ़ जाती है।

आपसे पहले माननीय बुटेल जी, जो कि हमारी साथ की दीर्घा में बैठे हैं। इन्होंने पांच साल तक इस हाउस का संचालन किया। इस हाउस को आगे ले जाने तथा खासतौर पर ई-विधान के लिए जो इन्होंने कार्य किया उसके लिए ये हमेशा इस सदन में याद रखे जायेंगे। ये दिल्ली जाकर ई-विधान के कार्य के लिए राशि लेकर आए। सदन के सिर्फ संचालन की बात नहीं है बल्कि आपका कार्य सदन के सदस्यों का मार्गदर्शन भी करना होता है। जिस हालात में सदन के सदस्य फ्लैट्स में रह रहे हैं; आप तो वहां खुद रहे हैं। आपको उन पर थोड़ी नज़र रखनी चाहिए कि हर विधायक के साथ उनका पी0ए0, ड्राईवर या कोई और सदस्य है, लोग मिलने के लिए आते हैं तो वहां जगह नहीं है, जिम या कसरत के लिए कोई साधन नहीं है, गाड़ियां खड़ी करने के लिए जगह नहीं है। लोग एम0एल0ए0 के साथ ही बदसलूकी करते जा रहे हैं; इन सब मसलों को आपको देखना होगा। हम अपने दल की ओर से आपको विश्वास दिलाना चाहते हैं कि हम आपका सहयोग करेंगे।

लेकिन अध्यक्ष महोदय, कुछ परम्पराएं ये सामने वाले लोग डाल गये हैं जो पिछले पांच साल रहे हैं। जो परम्पराएं देवभूमि की इस विधान सभा में इन्होंने डाली हैं वह बहुत

10.1.2018/1120/av/yk/2

तकलीफ दायक है, वह बहुत दुःखद समय रहा है। यह शुक्र है कि आप भी आसन पर जा रहे हैं। (---व्यवधान---) यह भी एक राहत का कारण है। हम विपक्ष में हैं और पहले दिन से ही हमसे इस तरह के सवाल किए जा रहे हैं कि आप कैसा व्यवहार करेंगे। कल मुख्य मंत्री जी ने कहा कि विपक्ष का आचरण देखेंगे।

श्री टी0 सी0 द्वारा जारी

10.01.2018/1125/टीसीवी/वाईके/1

श्री मुकेश अग्निहोत्री....... जारी

लेकिन अध्यक्ष महोदय, यह भी विचार करें कि पूरा-पूरा सैशन ही नहीं चलने देना, पूरा-पूरा सैशन नारेबाजी करते रहना, पूरे-पूरे सैशन में ही ये विपक्ष की कुर्सियां खाली रहे, अध्यक्ष के आसन पर लोग चढ़ गये, मुख्य मंत्री के बिल्कुल सामने आ गये, ये क्या रास्ता और परम्पराएं आप डाल कर गये हैं? इसके बारे में सोच-विचार जरूर होना चाहिए। यह देवभूमि है। इस विधान सभा की बहुत परम्पराएं हैं, बहुत गरिमाएं हैं। पीछे जो हुआ उससे हटकर, ये हमारे साथी ऊना से मंत्री बने हैं, मैं इनको बधाई देता हूं।

लेकिन आपने यह भी देखा होगा कि कुछेक को छोड़ करके जिसने जितने ऊंचे नारे लगाये, वे उतने ही ज्यादा बाहर रहे हैं। इसलिए इस विधान सभा की गरिमा का हमें हमेशा ख्याल रखना है और आपके आसन का हमें पूरा आदर करना है। विपक्ष के नाते हमारी जिम्मेवारियां हैं, कुछ परम्पराएं बनी हैं, वाकआउट, नारेबाज़ी और वैल में आना भी बना है। लेकिन हमें हर चीज में उस हद तक जाना चाहिए, जिससे इस सदन का सम्मान बना रहे। इसलिए मैं आपके अध्यक्ष बनने पर बधाई देता हूं। आप पांच दफ़ा विधायक रह चुके हैं। आपने पिछले 17-18 साल से इस विधान सभा की कार्यवाही को देखा है। अब आपको इस सदन को संचालित करना है। विपक्ष से आप न्याय करें, क्योंकि आप सर्वसम्मति से चुने गये हैं। आप आज से, अभी से किसी पार्टी विशेष के नहीं रह गये हैं। आपको शुभकामनाएं, बहुत-बहुत धन्यवाद।

10.01.2018/1125/टीसीवी/वाईके/2

अध्यक्षः माननीय सदन के नेता आदरणीय मुख्य मंत्री श्री जय राम ठाकुर जी, कांग्रेस विधायक दल के नेता आदरणीय श्री मुकेश अग्निहोत्री जी, मन्त्रिमण्डल के समस्त आदरणीय सदस्यगण, आदरणीय पूर्व मुख्य मंत्री, श्री वीरभद्र सिंह जी, इस सदन में तेरहवीं विधान सभा में अपने-अपने विधान सभा क्षेत्रों से चुनकर आए आदरणीय विधायक बंधु/भगिनी, मीडिया के साथीगण, अधिकारी वर्ग, इसके अलावा मुझे धन्यवाद करना है, सदन के नेता का, नेता कांग्रेस दल का और सभी माननीय विधायकों का जिन्होंने सर्व-सम्मत मुझे विधान सभा अध्यक्ष का दायित्व सम्भाला है। मैं आपका हृदय की गहराई के साथ अभिनन्दन करता हूं, धन्यवाद करता हूं, आपको साधुवाद देता हूं।

एन0एस0 ... द्वारा जारी।

10.01.2018/1130/NS/AG/1

अध्यक्ष महोदय ------ जारी।

हिमाचल प्रदेश की तेरहवीं विधान सभा में आप सब लोग अपने-अपने विधान सभा क्षेत्र से चुन करके आए हैं, मैं इसके लिए आप सबको बहुत-बहुत बधाई देता हूं। हिमाचल प्रदेश विधान सभा देश की सभी विधान सभाओं में अपना एक विशिष्ट स्थान रखती है, मुझे इस बात का आभास है। इस विधान सभा में आने के लिए आप लोगों ने कितने संघर्ष किए हैं, मुझे इसका भी आभास है। इसलिए मुझे इस पद के ऊपर आप सब ने मिल करके विराज़मान किया है। मैं एक मुक्त कंठ और हृदय की गहराई के साथ आपको विश्वास दिलाना चाहता हूं कि आपकी जो भावनाएं हैं, वे इस सदन के माध्यम से सरकार तक पहुंचे और हिमाचल प्रदेश के जन-मानस तक पहुंचे, मैं इसके लिए जो भी नियम हैं, उनके प्रावधानों के अन्तर्गत आपकी बातों का पूरी तरह से सहयोग करने का प्रयास करूंगा। मुझे माननीय मुख्य मंत्री जी का आभार व्यक्त करना है जिन्होंने मेरे जीवन के ऊपर प्रकाश डालते हुए अनेक प्रकार से विषयों को महिमामण्डित किया और मेरे जीवन के कुछ अंश छूए और कुछ पहलुओं को छूने का प्रयास किया। यह सही है, अनेक वर्षों तक मैं और माननीय मुख्य मंत्री जी एक ही सीट के ऊपर बैठते थे। विधान सभा बदलती गई परन्तु हम एक ही स्थान पर बैठे रहे। आज आप सबने मुझे इस पद के ऊपर पदासीन किया है। जैसा कि कांग्रेस विधायक दल के नेता ने यहां पर विषय रखा है। यह स्वाभाविक है कि प्रतिपक्ष ने अपने दायित्व का निर्वहन करना है और जब प्रतिपक्ष अपने दायित्व का निर्वहन कर रहा है, उस समय अध्यक्ष विधान सभा या इस पद के ऊपर आसीन जो भी व्यक्ति है, उसका दायित्व है कि विधायकों के अधिकार सुरक्षित हों और वे अपनी बात कह सकें। मैं विश्वास दिलाता हूं कि वे चाहे प्रतिपक्ष, सत्ता पक्ष या आज़ाद विधायक हों, उन्हें अपनी बात रखने का सम्पूर्ण समय मिले, नियमों के अन्तर्गत उनको समय मिलेगा। सदन के संचालन के लिए जो भी नियमावली है उसका पूरी तरह से पालन करने के लिए मैं प्रयास करूंगा। मैं आज एक बदला-सा नज़ारा इस विधान सभा में देख रहा हूं। पिछले 20 वर्षों से अनेक महत्वपूर्ण लोग जिन्होंने इस विधान सभा और हिमाचल प्रदेश में राजनीतिक बागडोर को संभाल करके रखा तथा उसको सींचा है, ऐसे अनेक लोग इस बार इस विधान सभा में नहीं हैं। नये रक्त का संचार हुआ है। नई सरकार, युवा नेतृत्व इस विधान सभा में आया है। मुझे

10.01.2018/1130/NS/AG/2

आशा है कि युवा नेतृत्व देश और प्रदेश को नई ऊंचाईयों तक लेकर जाएगा। हमारा प्रतिपक्ष अनुभवी है। प्रदेश की बागडोर को लम्बे समय तक प्रतिपक्ष ने संभाला है। जहां वे अपने अनुभव को विधान सभा में प्रयोग करेंगे, वहीं उनकी जो वरिष्ठता है, उसको ध्यान में रखते हुए उन्होंने विश्वास भी दिलाया है कि वे इसके संचालन में मेरा सहयोग करेंगे, मुझे ऐसी आशा है।

मैं इतना कहना चाहूंगा कि माननीय नरेन्द्र भाई मोदी, आदरणीय प्रधान मंत्री जी के वाक्य "सबका साथ सबका विकास" यह इस सरकार के लिए चुनौती भरा है। सबको साथ लेकर करके चलना है। मैं इस समय पर अटल जी की चन्द पक्तियां बोलना चाहूंगा।

"अखिल विश्व को भला बुरा चाहे जो माने डटे हुए हैं राष्ट्र
धर्म पर विपदाओं में सीना ताने"

अटल जी के यह पक्तियां हमें हर चुनौती से उभर कर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करती हैं।

श्री आर0 के0 एस0 द्वारा जारी।

10/01/2018/1135/RKS/AG/1

अध्यक्ष....... जारी

चुनौतियां बहुत हैं परन्तु स्वामी विवेकानन्द जी को आज स्मरण करना सार्थक होगा। आज 10 जनवरी है और 12 जनवरी को स्वामी विवेकानन्द जी का जन्म दिवस है। स्वामी जी ने कहा और यह सरकार के लिए है। स्वामी जी ने कहा- "पीछे की ओर देखना नहीं, आगे बढ़ो, हमे अनंत शक्ति, अनंत उत्साह, अनंत साहस तथा अनंत धैर्य

चाहिए तभी महान कार्य सम्पन्न होंगे"।

"जय राम राज्य का शुभारम्भ"। आशा है प्रदेश राम राज्य की ओर बढ़ेगा। पंडित दीन दयाल उपाध्याय जी ने कहा- "दरिद्र नारायण की सेवा ही प्रभु की भक्ति है"। मैं आशा करता हूं कि हम सब मिलकर इन सब शब्दों को पूरा करेंगे।

मुझे यह सूचित करना है कि संविधान के अनुच्छेद- 176 के अंतर्गत महामहिम राज्यपाल महोदय सभा को दोपहर 12.30 बजे सम्बोधित करेंगे। अतः आप सभी 12.15 बजे अपराह्न अपना स्थान ग्रहण करें।

मुझे यह भी सूचित करना है कि महामहिम राज्यपाल के सम्बोधन के पश्चात् सभा की बैठक कल दिनांक 11 जनवरी, 2018 के 11.00 बजे पूर्वाह्न तक स्थगित होगी।

मैं यह भी सूचित करना चाहता हूं कि सभी माननीय सदस्य महामहिम राज्यपाल के विधान सभा परिसर से प्रस्थान के उपरान्त गेट नं0-1 के सामने ग्रुप फोटो हेतु पधारने की कृपा करें क्योंकि पिछले कल व्यवस्था ठीक नहीं हो पाई थी इसलिए आज के लिए इसको पोस्टपोन किया है।

अब इस माननीय सदन की बैठक 12.15 बजे अपराह्न तक स्थगित की जाती है।

10-01-2018/1220/बी. एस.-डी. टी./डी.सी.-एच.के.-1

(सदन की बैठक अपराह्न 12:20 बजे पुनः आरंभ हुई।)

(राष्ट्रीय गान गाया गया)

(राष्ट्र गान के लिए सभा मंडप में उपस्थित सभी अपने-अपने स्थान पर खड़े हुए।)

महामहिम राज्यपाल महोदय का अभिभाषण

महामहिम राज्यपालः

ऊँ सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः ।

सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद दुःख भाग्भवेत् ।

ऊँ असतो मा सद्गमय।

तमसो मां ज्योतिर्गमय।

मृत्योर्मामृतं गमय।

ऊँ शान्ति शान्ति शान्ति॥

माननीय अध्यक्ष महोदय एवं माननीय सदस्यगण,

1. हिमाचल प्रदेश की नवगठित 13वीं विधान सभा के प्रथम सत्र में, आप माननीय सदस्यों का मैं हार्दिक स्वागत करता हूँ। इस शुभ अवसर पर आपको जनता का समर्थन प्राप्त करने तथा इस सम्मानीय सदन का सदस्य निर्वाचित होने पर हार्दिक बधाई भी देता हूँ। क्योंकि इस सत्र का आयोजन नव वर्ष के प्रारम्भ में हो रहा, इसलिए मैं आप सभी तथा हिमाचल प्रदेश के लोगों को सुखद एवं समृद्ध नव वर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं देता हूँ।

2. नवम्बर, 2017 में प्रदेश की विधान सभा के सम्पन्न हुए चुनावों से यह बात पूर्णतयः स्पष्ट हो चुकी है कि प्रदेश के लोगों को सम्पूर्ण व्यक्तिगत स्वतन्त्रता के साथ चुनाव की

स्वच्छ लोकतांत्रिक प्रक्रिया में बढ़-चढ़ कर भाग लेकर अपनी मर्जी की सरकार बनाने में पूर्ण आस्था है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के सकुशल शासन व दूरदर्शी नेतृत्व तथा भाजपा

10-01-2018/1220/बी. एस.-डी. टी./डी.सी.-एच.के.-2

की केंद्रीय सरकार की प्रगतिशील नीतियों के लिए प्रदेश की जनता ने भारी जनादेश दिया है। इस संवैधानिक प्रक्रिया में विशेष रूप से महिलाओं और युवाओं का मतदान के प्रति उत्साह प्रशंसनीय रहा है। चुनाव के परिणामों ने यह निर्णायक रूप से स्पष्ट कर दिया है कि हमारी लोकतांत्रिक प्रणाली महान है जो हम सबके लिए गर्व की बात है।

3. मेरी सरकार भारतीय चुनाव आयोग की भी धन्यवादी है कि उन्होंने निष्पक्ष तथा पूरे प्रदेश में एक साथ चुनाव प्रक्रिया को सम्पन्न करवाया है। इस मनोरम पहाड़ी प्रान्त में चुनाव प्रक्रिया का शान्तिपूर्वक सम्पन्न होना इस बात का परिचायक है कि प्रदेश की जनता एक परिपक्व सोच रखती है जिसके लिए मैं इस देवभूमि के लोगों को बधाई देता हूँ।

4. आप सभी को जनता द्वारा दिए गए इस जनादेश के साथ-साथ आप पर यह महत्वपूर्ण ज़िम्मेदारी आ गई है कि आप अपने-अपने क्षेत्र और इस प्रदेश के विकास के लिए हर समय प्रयासरत रहें। मैं यह आह्वान करना चाहूंगा कि प्रदेश के विकास के लिए सत्ता पक्ष एवं विपक्ष दोनों साथ-साथ एक सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ें और अपना समय किसी बदले की भावना से कार्य करने के स्थान पर इस बात पर लगायें कि प्रदेश को आगे कैसे ले जाना है। हालांकि यह चुनाव बेहद सौहार्दपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुए हैं, फिर भी यदि चुनावों के दौरान आपस में किसी प्रकार की कोई कटुता रही हो तो उसे भूलाकर प्रदेश हित में विचार किया जाये कि कैसे प्रदेश का प्रत्येक नागरिक सम्पन्न, सुशिक्षित, सुरक्षित, स्वस्थ, सुशासित और श्रेष्ठ बन सके । मैं यह भी कहना चाहूंगा कि सदन में पक्ष और विपक्ष के सदस्य व्यक्तिगत राजनीति से ऊपर उठकर मुद्दों पर आधारित राजनीति को केन्द्र में रखकर सकारात्मक ढंग से बहस करें

ताकि प्रदेश हित में बात हो सके। विपक्ष को चाहिए कि वो ऐसे ठोस व रचनात्मक सुझाव दे जिनसे सरकार को नीति निर्धारण में मदद मिल सके। प्रदेश में एक नई शुरूआत हुई है और उम्मीद की जानी चाहिए कि इससे प्रदेश में आप सब के सहयोग से उन्नति और विकास का एक नया मार्ग प्रशस्त होगा।

5. प्रदेशवासियों को इस सदन के माध्यम से मुझे यह बताने का हर्ष हो रहा है कि वर्तमान विधान सभा में आधे से अधिक युवा सदस्य चुनकर आए हैं । हमारे लिए यह एक सम्मान

10-01-2018/1220/बी. एस.-डी. टी./डी.सी.-एच.के.-3

की बात है कि सरकार के अनुभवी मन्त्रीमण्डल एवं युवा मन्त्रियों का नेतृत्व भी युवा मुख्य मन्त्री कर रहे हैं। ऐतिहासिक रिज मैदान पर सरकार के शपथ ग्रहण समारोह में पहली बार देश के प्रधानमंत्री, पांच केन्द्रीय मंत्री, विभिन्न प्रदेशों के दस मुख्य मंत्रियों एवं उप-मुख्य मंत्रियों सहित अन्य कई गणमान्य अतिथियों ने प्रदेश का गौरव बढ़ाया।

6. इस सरकार ने अभी-अभी कुछ दिन पूर्व ही कार्यभार सम्भाला है। सरकार द्वारा कार्य निष्पादन के विषय में किसी भी प्रकार की चर्चा करने के लिए यह बहुत ही कम अवधि है, फिर भी लोगों के जीवन स्तर में सुधार लाने, उन्हें स्वच्छ प्रशासन देने तथा दिए गए आश्वासनों को पूरा करने के उद्देश्य से ठोस कार्यवाही करने हेतु सरकार द्वारा कुछ महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए हैं, जैसे कि, वर्तमान में 80 वर्ष से ऊपर के वृद्धों को बिना आय के जो सामाजिक सुरक्षा पैंशन दी जाती है उसकी आयु सीमा घटाकर 70 वर्ष करना, कर्मचारियों को जुलाई, 2017 से देय 3 प्रतिशत महंगाई भत्ता जारी करना, प्रदेश में किसानों को आवारा पशुओं की समस्या से निजात दिलाने के लिए मंत्रि-मण्डल की उप-समिति का गठन करना, डिमोबिलाइज्ड सशत्र बल और पूर्व सैनिक कोटे के कर्मचारियों को वित्तीय लाभ प्रदान करना, प्रदेश के तीनों पुलिस रेंज कार्यालयों में कोष्ठ की स्थापना करना जिनमें आई0जी0 स्तर के अधिकारी महिलाओं की शिकायतों

पर अड़तालीस घण्टे के भीतर कार्यवाही सुनिश्चित करेंगे, इत्यादि-इत्यादि।

7. मेरी सरकार ने अपने 'स्वर्णिम हिमाचल दृष्टि पत्र 2017' को एक नीतिगत दस्तावेज़ बनाकर कार्य करना शुरू कर दिया है । इसमें ऐसे हिमाचल की कल्पना की है जहां प्रदेश की क्षमताओं और अपार सम्भावनाओं का विकास किया जाएगा और उसका लाभ समाज के सभी वर्गों तक सुलभता से पहुंचाया जाएगा। मेरी सरकार का प्रयास रहेगा कि यहां का हर व्यक्ति राज्य की विकास यात्रा में समान रूप से सहभागी हो और जाति, धर्म, वर्ग या लिंग उनकी व्यक्तिगत प्रगति में अवरोध न बन सके।

8. प्रदेश में कानून व्यवस्था बनाए रखना भी सरकार की प्राथमिकता होगी। असामाजिक तत्वों व कानून का उल्लंघन करने वालों के विरूद्ध सख्त से सख्त कार्यवाही अमल में लाई

10-01-2018/1220/बी. एस.-डी. टी./डी.सी.-एच.के.-4

जाएगी और किसी भी स्तर पर उनको किसी भी प्रकार का संरक्षण नहीं मिलेगा। भ्रष्टाचार एवं माफिया राज से प्रदेशवासियों को सुरक्षा प्रदान करने हेतु 'होशियार हैल्प लाइन' की स्थापना की जाएगी जिसके माध्यम से जनता बेझिझक रिपोर्ट दर्ज करवा सकेगी।

9. मेरी सरकार द्वारा महिलाओं के खिलाफ हिंसक घटनाओं के निवारण हेतु 'गुड़िया योजना' का प्रक्षेपण किया जाएगा जिसके अंतर्गत 24x7 महिला पुलिस थाने एवं आपातकालीन 'गुड़िया हैल्प लाइन' शुरू की जाएगी।

10. सरकार का यह प्रयास रहेगा कि प्रदेश में प्रभावी, पारदर्शी एवं जवाबदेह प्रशासन तंत्र स्थापित किया जाए। विस्तृत जनभागीदारी के माध्यम से विकास कार्यों का प्रभावी ढंग से कार्यान्वयन तथा सरकारी योजनाओं का पारदर्शी संचालन किया जाएगा।

11. यह सरकार युवा शक्ति को विकास का आधार मानती है, इसलिए सरकार का यह

प्रयास रहेगा कि हिमाचली युवक न सिर्फ रोज़गार पाने में बल्कि रोज़गार निर्माण में भी सक्षम हों।

12. मेरी सरकार का संकल्प है कि हिमाचल की महिलाओं को विकास में समान भागीदारी दिलवाने हेतु सभी समुचित कदम उठाएं जाएं।

13. सड़कों की गुणवत्ता में सुधार लाने हेतु सड़क रख-रखाव नीति की शुरूआत की जाएगी। सड़कों के रख-रखाव, उचित ड्रेनेज और मरम्मत कार्य के लिए समय सीमा का सख्ती से पालन किया जाएगा। 63 राष्ट्रीय उच्च मार्ग घोषित करने के लिए हम भारत सरकार का धन्यवाद करते हैं।

14. सरकार, हिमाचल प्रदेश को देश के स्वास्थ्य पटल में सबसे ऊपर लाने के लिए प्रतिबद्ध है। यह सरकार माननीय प्रधानमंत्री महोदय तथा केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री महोदय का 1351 करोड़ रुपये की लागत से बिलासपुर में अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान की स्थापना हेतु स्वीकृति जारी करने के लिए धन्यवाद करती है।

10-01-2018/1220/बी. एस.-डी. टी./डी.सी.-एच.के.-5

15. राष्ट्र निर्माण में शिक्षा की भूमिका का महत्व समझते हुए मेरी सरकार हिमाचल में सभी बच्चों को बिना किसी अवरोध गुणात्मक शिक्षा के हर सम्भव अवसर उपलब्ध करवाएगी। बच्चों के सर्वांगीण बौद्धिक, शारीरिक, व नैतिक विकास द्वारा हिमाचल का भविष्य संवारने की हर संभव कोशिश की जाएगी।

16. सरकार के कार्यक्रमों का त्वरित क्रियान्वयन करने तथा नागरिकों को सेवाएं प्रदान करने में सरकारी कर्मचारी का अहम योगदान होता है। मेरी सरकार कर्मचारियों के लिए कल्याणकारी योजनाएं, उचित वेतन और बेहतर शिकायत निवारण प्रक्रियाओं पर विशेष ध्यान देगी तथा उनकी समस्याओं पर सहानुभूतिपूर्वक विचार करेगी।

17. देश की रक्षा में हिमाचल के वीर पुत्रों के अतुल्य योगदान को नमन करते हुए मेरी सरकार का संकल्प है कि सेना, अर्धसैनिक बलों व अन्य सुरक्षा बलों में कार्यरत समस्त

हिमाचली युवाओं एवं युवतियों के हितों की रक्षा हेतु समुचित कदम उठाए जाएंगे।

18. हिमाचल के विकास हेतु औद्योगिकरण पर सरकार का विशेष जोर रहेगा।

19. हिमाचल के गांवों का सर्वांगीण विकास हेतु आर्थिक, ढांचागत एवं कुशल मानव संसाधन के विस्तार हेतु मेरी सरकार दृढ़संकल्प है। बुनियादी सुविधाओं और कल्याणकारी योजनाओं का लाभ ग्रामीण जनसंख्या तक पहुंचाने के सभी कदम मेरी सरकार की कार्यसूची में सर्वोपरि रहेंगे। गिर रहे भू-जल के स्तर पर रोक लगाने हेतु कच्चे तालाब, चैक डैम, डैम जोड़ आदि का निर्माण किया जाएगा। पुरातन जल स्त्रोतों का संरक्षण व जीर्णोद्धार किया जाएगा। भू-जल के अधिकारिक प्रयोग करने हेतु ट्यूब - वेल व हैंडपम्पों की व्यवस्था की जाएगी।

20. हिमाचल की रमणीक प्राकृतिक सम्पदा एवं यहां के पवित्र धार्मिक स्थल अपने आप में अद्वितीय हैं जिनमें पर्यटन की असीम संभावनाएं हैं, इसलिए सरकार द्वारा पर्यटन के चहुमुखी विकास हेतु एडवेंचर टूरिज्म को बढ़ावा दिया जाएगा ।

21. मेरी सरकार शहरों की समृद्धि में अपना योगदान दे रहे नागरिकों तक जरूरी सुविधाओं और सेवाएं पहुंचाना अपना कर्त्तव्य समझती है। नागरिकों के लिए शहरों में स्वस्थ और सुरक्षित माहौल के निर्माण हेतु जरूरी कदम उठाए जाएंगे।

10-01-2018/1220/बी. एस.-डी. टी./डी.सी.-एच.के.-6

22. पर्यावरण संरक्षण के द्वारा मेरी सरकार भावी पीढ़ी के हितों की रक्षा हेतु समुचित पग उठाएगी। वनों में आग की रोकथाम एवं नियंत्रण हेतु नीतिगत ढांचा तैयार किया जाएगा। वनों से रोजगार जोड़ने और वृक्षारोपण के लिए 'वन लगाओं रोजी कमाओ' योजना को सुदृढ़ किया जाएगा।

23. हिमाचल की भाषाएं, सांस्कृतिक धरोहर और अनूठी परम्पराएं हमारा गौरव है। इस धरोहर के विकास, सम्मान और प्रसार के लिए मेरी सरकार प्रतिबद्ध है।

24. प्रदेश में कई ज्वलंत समस्याएं हैं जिनके प्रति मेरी सरकार पूरी तरह से जागरूक है। चुनाव में जनता से किए गए वायदों को चरणबद्ध तरीके से पूरा करने के लिए कृत्त

संकल्प है। जिसके लिए हमने एक दृष्टिपत्र तैयार किया है। विभिन्न नीतियों को इस प्रकार लागू किया जाएगा, इसके लिए विस्तृत स्वरूप पर निकट भविष्य में मेरी सरकार द्वारा नियमित बजट प्रस्तुत करते समय चर्चा की जाएगी।

मैं आशा करता हूं कि इन समस्याओं को सुलझाने के लिए मेरी सरकार को आप सब माननीय सदस्यों का सक्रीय एवं रचनात्मक सहयोग प्राप्त होगा।

25. मुझे पूर्ण विश्वास है कि आप सभी माननीय सदस्यगण निष्ठा एवं समर्पण से हिमाचल प्रदेश के लोगों की सेवा करेंगे और इस खूबसूरत पर्वतीय प्रदेश को विकास का आदर्श राज्य बनाएंगे। मैं एक बार फिर बधाई देता हूं। इसके साथ ही आपके सफल विचार-विनिमय की कामना करता हूं।

जय हिन्द, जय हिमाचल।

राष्ट्रीय गान गाया गया

(सभा मंडप में उपस्थित सभी राष्ट्रगान के लिए अपने-अपने स्थान पर खड़े हुए।)

धर्मशाला-176215 **सुन्दर सिंह वर्मा,**
दिनांक 10.01.2018 **सचिव।**